इंद्रेश अस्पताल की ओपीडी के बाहर डॉक्टर धरना प्रदर्शन करते हुए डॉक्टर।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

नए वैरियंट को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

संवाददाता देहरादून। दून की सड़कों व बाजारों में बिना मास्क के घूमने वालों को यह खबर सावधान करने वाली है। जिलाधिकारी डॉ.आर राजेश कुमार ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को हिदायत दी है कि बिना मास्क के घर से बाहर निकलने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पहली बार बिना मास्क के पकड़े गए लोगों से पांच सौ रुपये का जुर्माना वसूला जाय। वहीं दूसरी बार पकड़े जाने पर सात सौ रुपये और तीसरी बार पकडेध्‍ जाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना लिया जाए। जो भी गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहा है, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इंद्रेश अस्पताल अस्पताल में धरने पर बैठे डॉक्टर

संवाददाता देहरादून। समय पर वेतन न मिलने के विरोध में राजधानी देहरादून के इंद्रेश अस्पताल की ओपीडी के बाहर डॉक्टर धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। शनिवार को इन डॉक्टरों से साथ ही वेतन न बढ़ने पर इंटर्न डॉक्टर्स भी धरने पर बैठ गए। अस्पताल में शनिवार को डॉक्टरों का आक्रोश फूट पड़ा। डॉक्टरों ने ओपीडी से कार्य बहिष्कार कर मुख्य गेट पर धरना दिया। वहीं उन्होंने प्राचार्य और एमएस से भी वार्ता भी की।

रेलवे ट्रैक के पास हाथी के बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत

संवाददाता देहरादून जिले के रायवाला में शुक्रवार देर रात मोतीचूर रेलवे ट्रैक के पास हाथी के बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना देर रात करीब डेढ़ बजे के आसपास हुई है। शनिवार को मोतीचूर रेंज अधिकारी महेंद्र गिरी गोस्वामी ने बताया हरिद्वार से आ रही मालगाड़ी से हादसा हुआ है। उन्होंने संभवना जताई कि देर रात करीब 1:30 बजे हाथी का बच्चा झुंड से बिछुड़ गया होगा। भटकते हुए हाथी का बच्चा रेलवे ट्रैक पर आ पहुंचा होगा। जिसके कारण हाथी के बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हुई है।

एक्स्ट्रामार्क्स ने की ब्रांड की नई पहचान पेश

संवाददाता देहरादून। भारत के सबसे भरोसेमंद एडुटेक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, एक्स्ट्रामार्क्स ने अपना नया लोगो, विजुअल पहचान और कैटेगरी में अपनी पोजीशन के लॉन्च की आज घोषणा की। कंपनी की ब्राडिंग के मूल तत्व नए विजुअल एसेट्स बन गए हैं। इसमें एक तरोताजगी से भरपूर कंपनी का लोगो और वन–स्टॉप लर्निंग ऐप सोल्यूशन शामिल है। इसमें एक्स्ट्रामार्क्स के सिद्धांतों और मूल्यों जैसे मनोरंजन, दिलचस्पी, एकीकृत और समावेशी शिक्षा की झलक मिलती है। यह नई ब्रांडिंग पहले ही आंतरिक और बाहरी कम्युनिकेशन चैनल पर लाइव हो चुकी है।

हाई वैल्यू एग्रीकल्चर और प्राकृतिक खेती पर हो फोकसः नीति आयोग उपाध्यक्ष

बोधिसत्व

■ मुख्यमंत्री आवास में आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड / 25 समिट 'बोधिसत्व' का आयोजन हुआ

संवाददाता

देहरादून। सीएम आवास में आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड / 25 समिट 'बोधिसत्व' का आयोजन हुआ। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि उत्तराखण्ड अभी युवा राज्य है। उत्तराखण्ड के पास अनेक प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं। उत्तराखण्ड के बहुमुखी विकास के लिए नये सिरे सोचना होगा। सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को शिक्षा का हब बनाना होगा। माध्यमिक शिक्षा का हब तो उत्तराखण्ड है, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में और प्रयास करने होंगे। उत्तराखण्ड में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रयासों की जरूरत है। हाई वैल्यू एग्रीकल्चर के क्षेत्र में प्रयास

करने होंगे। एरोमैटिक एवं मेडिसनल प्लांट, फ्लोरीकल्चर, हॉर्टीकल्चर के क्षेत्र में उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए गोष्ठी का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में विशेष प्रयास होने चाहिए। उत्तराखण्ड में महिलाएं लगनशील हैं। महिलाओं को अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाय। उत्तराखण्ड को स्वयं प्राकृतिक खेती की ओर जुटना चाहिए। नदियों के पुनर्जीवीकरण की दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिये कि उत्तराखण्ड में जितने भी साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन हैं, वे मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करें। हमारा प्रयास होना चाहिए कि अगले दस सालों में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तीन से चार गुना बढ़ सके। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द राज्य के विकास के लिए नया ब्लू प्रिंट बनाकर दिया जायेगा।

साइंटिफिक डेवलपमेंट प्लान जरूरी–डॉ के विजनराघवनः केन्द्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. के. विजयराघवन ने कहा कि उत्तराखण्ड के पास हिमालय के रूप में बड़ी संपदा है। हिमालय देश एवं दुनिया को प्रभावित करता है। हिमालय को सस्टनेबल तरीके से प्रोटक्ट करना एवं इसके लिए डैवलपमेंट के कार्य करना एक बड़ा कार्य है। इसमें अनेक सांइटिफिक इंस्टीट्यूट काफी कार्य कर चुके हैं। इसके लिए साइंटिफिक डेवलपमेंट प्लान जरूरी है।

अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि भौगोलिक विषमताओं के बावजूद भी इन्फ्रास्ट्रक्चर में राज्य ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तराखण्ड में कई क्षेत्रों में मजबूतियां भी हैं, तो कुछ क्षेत्रों में चुनौती भी हैं। हिमालय, गंगा, जलवायु एवं शांतप्रिय समाज यहां की मजबूती हैं। रोजगार, कनेक्टिविटी, पलायन को रोकना, आपदा एवं बोर्डर ऐरिया से संबंधित मामले राज्य के समक्ष चुनौतियां भी हैं। आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड बनाने के लिए इन चुनौतियों को कम करने के लिए राज्य में प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा लोगों से संवाद कर सुझाव लिये जा रहे हैं।

इस अवसर पर विधायक महेन्द्र भट्ट, नीति आयोग से डॉ. नीलम पटेल, सचिव नियोजन बीवीआरसी पुरूषोत्तम, मुख्यमंत्री के चीफ कॉर्डिनेटर दुर्गेश पंत, शासन से प्रमुख सचिव, सचिव, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विभिन्न संस्थानों के निदेशक एवं गणमान्य उपस्थित थे।

हिमालय के प्रति सबकी जिम्मेदारीः डॉ अनिल जोशी

पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि बोधिसत्व के माध्यम से राज्य के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं। हिमालयी राज्यों को आपस में लगातार चिंतन एवं मंथन करने की जरूरत है। हिमालय सबका है, इसके प्रति सबकी भागीदारी होनी चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए अपनी कमजोरी एवं ताकत का नये सिरे से विश्लेषण करना जरूरी है।

तीर्थ पुरोहित और हक–हकूकधारियों ने निकाली जन आक्रोश रैली

रैली

■ देवस्थानम बोर्ड पर बवाल, गांधी पार्क से रैली निकाल कर सचिवालय किया कूच

संवाददाता

देहरादून। देवस्थानम बोर्ड के विरोध में शनिवार को चारधाम तीर्थ पुरोहित और हक–हकूकधारी महापंचायत ने आक्रोश रैली निकाली। गांधी पार्क से रैली निकाल कर सचिवालय कूच किया गया। रैली के दौरान पुलिस ने सुभाष रोड स्थित बैरिकेडिंग पर तीर्थपुरोहितों को रोक लिया। इस दौरान पुलिस के साथ धक्का–मुक्की भी हुई। वहीं, नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह और कांग्रेस महानगर

अध्यक्ष लालचंद शर्मा भी रैली को समर्थन देने के लिए पहुंचे।

महापंचायत के प्रवक्ता डॉ. बृजेश सती ने बताया कि 27 नवंबर को देवस्थानम बोर्ड को दो साल पूरे हो गए हैं। बोर्ड के विरोध में चारों धामों के तीर्थपुरोहित व हकहकूकधारियों ने काला दिवस मनाकर आक्रोश रैली निकाली। इसके अलावा चारों ध ामों के शीतकालीन पूजा स्थलों में भी तीर्थ पुरोहित व मंदिरों से जुड़े हकहकूकधारियों ने प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इसी क्रम में शनिवार को देहरादून के गांधी पार्क से सचिवालय तक आक्रोश रैली निकाली गई। जिसमें चारों धामों के तीर्थ पुरोहित व हक–हकूकधारी शामिल हुए। गुप्तकाशी में केदार सभा के अध्यक्ष व चारधाम महापंचायत के उपाध्यक्ष विनोद शुक्ला के नेतृत्व में यह रैली निकाली गई।

देवस्थानम बोर्ड को लेकर धर्मनगरी हरिद्वार में संतों की सियासत गरमाने लगी है। संत–महंत से लेकर तीर्थ पुरोहितों के बोर्ड भंग करने की पुरजोर मांग पर उठने पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के दोनों गुट कूद पड़े हैं। अखाड़ा परिषद के दोनों गुटों में मुद्दे को लपकने की होड़ शुरू हो गई है। इनमें एक गुट सरकार से बोर्ड भंग करवाने के लिए शांतिपूर्ण वार्ता तो दूसरा गुट 30 नवंबर के बाद आंदोलन शुरू करने का दबाव बना रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यकाल में देवस्थानम बोर्ड गठित हुआ। इसमें मठ–मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण किया गया।

शासन के निर्देशों को हवा में उड़ा रहे विभागाध्यक्षः मोर्चा

संवाददाता विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश में अधिकांश विभागों के निकम्मे एवं गैर जिम्मेदार अधिकारियों को शासन एवं मुख्यमंत्री के निर्देशों की भी कोई परवाह नहीं है, जिसका प्रमाण यह है कि कई–कई महीनों तक फाइलों पर कार्रवाई तो दूर, फाइलों का मूवमेंट तक नहीं हो पाता, जिसकी वजह से आमजन व कर्मचारियों के हितों से जुड़ी पत्रावलियां रास्ते में ही दम तोड़ देती हैं तथा मजबूरन आमजन व पीड़ित कर्मचारियों को आंदोलनों का सहारा लेना पड़ता है। नेगी ने कहा कि इस मामले को लेकर मोर्चा द्वारा मा. मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर निकम्मे एवं गैर जिम्मेदार अधिकारियों के पेंच कसने, मामले में मॉनिटरिंग कराने एवं इनके खिलाफ कार्यवाही करने का आग्रह किया है। नेगी ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि शासन के निर्देशों को भी अधिकांश विभागाध्यक्ष हवा में उड़ा रहे हैं ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।